Newspaper : Denik Jagran
Edition: Dehradun | Date: 23rd July, 2019 | Pg. : 06

मार्मिक शिक्षक ने लिखवाई थी पांचवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं से कहानी, नौ-वर्षीय छात्रा ने लिख डाली आपबीती

गुनगुन की कहानी 'मेरे पिता' पढ़कर भावुक हुए शिक्षक

जागरण विशेष

राजीव खत्री ● पौड़ी

शिक्षक ने पांचवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को कहानी लिखने के लिए कहा तो एक छात्रा ने अपनी ही आपबीती लिख डाली। 'मेरे पिता' शीर्षक से लिखी छात्रा की यह आपबीती इतनी मार्मिक है कि इसे पढ़कर विद्यालय के शिक्षक भी भावुक हो गए। कहानी में छात्रा ने अपने पिता की शराब की लत से हुई परेशानियों और उनके शराब छोड़ने के बाद परिवार में लौटी खुशहाली का मार्मिक वर्णन किया है। इस कहानी को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को भेजकर देश एवं प्रदेश में शराब पूरी तरह बंद करने आग्रह करने जा रही है।

मंडल मुख्यालय के पास स्थित च्वींचा गांव की गुनगुन वर्तमान में पौड़ी शहर के बीचोंबीच स्थित राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय में पांचवीं कक्षा की छात्रा है। बीती 20 जुलाई को शिक्षक सरोज मैठाणी ने कक्षा में छात्र-छात्राओं को गृहकार्य के रूप में कहानी लिखकर लाने को कहा। अगले दिन सभी छात्र-छात्राएं कुछ लिख कर लाए। लेकिन, जब शिक्षक ने गुनगुन की कहानी पड़ी तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। गुनगुन ने 'मेरे पिता' शीर्षक से कहानी लिखी थी, जो उसके परिवार की ही दास्तान है। शिक्षक सरोज ने गुनगुन की कहानी अन्य शिक्षकों को पढ़ाई तो वे भी भावुक हो गए। गुनगुन ने इस कहानी में पिता की शराब की लत से परिवार की हुई परेशानियों को बयां किया है।

गुनगुन ● जागरण

कैसे पड़ता है शराब का बाल मन पर प्रभाव

गुनगुन की कहानी से स्पष्ट होता है कि परिवार के किसी सदस्य की शराब की लत से बालमन पर क्या असर होता है। कहानी के अंत में गुनगुन लिखती है, 'शराब बेहद बुरी चीज है, इसलिए वह इसे बंद करने के लिए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को अपनी कहानी भेजेगी।'

ये है कहानी का मजमून

काफी साल पुरानी बात है, एक गांव का च्वींचा। इस गांव की एक लड़की थी, जिसकी पांच बहनें थीं। उस लड़की का नाम था गुनगुन। उसके पापा बहुत शराब पीते थे। मां बेचारी घर-घर काम कर अपनी बेटियों का लालन-पालन करती थी। एक दिन उसकी मां को भोजन माता की नौकरी मिल गई। लेकिन, एक दिन गुनगुन के पापा ने इतनी शराब पी कि उनकी तबीयत बेहद बिगड़ गई। गुनगुन की मौसी ने गुनगुन की मां को फोन किया, लेकिन मां पिता को लेकर अस्पताल नहीं गई। तब गुनगुन की दादी और मौसी-मौसा पापा को लेकर अस्पताल पहुंचे। कुछ दिन बाद गुनगुन के पापा की तबीयत ठीक होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई। इसके बाद गुनगुन के पापा ने कभी शराब नहीं पी। अब गुनगुन का पूरा परिवार खुशी-खुशी रहता है। एक 'हैप्पी फैमिली' जैसे।